This question paper contains 4 printed pages.

Roll No. 6977 088

UG 9101

HIN-51T-101

B.A. Three/Four Year (Semester-I) Examination, December -2025

(Faculty of Arts)

हिन्दी साहित्य

Also Common with Non Collegiate

आदिकाव्य एवं भक्तिकाव्य

Time Allowed : Three Hours

समय सीमा : तीन घंटे

Maximum Marks : 100

अधिकतम अंक : 100

No supplementary answer-book will be given to any candidate. Hence the candidates should write the answer precisely in the main answer-book only.

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिये कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों का उत्तर लिखें।

Answers of short short-answer type questions must be given in sequential order. Similarly, all the parts of one question of the descriptive part should be answered at one place in the answer book.

लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के क्रमानुसार ही देवें। इसी प्रकार किसी भी एक वर्णनात्मक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर क्रमानुसार हल करें।

Write your roll number on the question paper before star writing answers to the questions.

प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न-पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखिए।

***Part-A:** is compulsory having 10 very short answer-type questions (with a limit of 20 words) of two mark each. This first questions shall be based on knowledge, understanding, and applications of the topics/texts covered in the syllablus.*

भाग-अ में दो अंक के 10 अति लघु उत्तरीय प्रश्न (20 शब्दों की सीमा के साथ) अनिवार्य हैं। यह पहला प्रश्न पाठयक्रम में शामिल विषयों/पाठ के ज्ञान, समझ और अनुप्रयोगें पर आधारित है।

***Part-B:** of the question paper is divided into four units comprising question number 2 to 5. There is one descriptive question from each unit with internal choice. Each question will carry 20 marks.*

भाग ब के प्रश्न संख्या 2 से 5 सहित चार इकाइयों में विभाजित हैं। प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ एक वर्णनात्मक प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

Ruoldpapers.com

भाग-अ

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए- [2×10=20]

(i) आदिकाल के प्रथम कवि का नाम बताइए।

(ii) रामचंद्र शुक्ल ने आदिकाल को क्या नाम दिया था?

(iii) आदिकालीन साहित्य का प्रमुख रस कौन सा था?

(iv) 'पृथ्वीराज रासों' किसकी रचना है?

(v) आदिकालीन साहित्य की अन्तर्धाराएं कौन-कौन सी हैं?

(vi) भक्ति काल को मुख्यतः कितने भागों में विभाजित किया गया है?

(vii) भक्ति आंदोलन का उदय कब और कहाँ हुआ?

(viii) सूफी काव्य धारा के प्रमुख कवियों के नाम बताइए।

(ix) 'भ्रमरगीत सार' के रचनाकार कौन हैं?

(x) अष्टछाप के कवियों के नाम बताइए।

भाग-ब

2. निम्न पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। [2×10=20]

(क) मानुष हौं तो वही रसखानि बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।

जो पशु हौं तो कहा बस मेरो-चरौं नित नन्द की धेनु मँझारन।

पाहन हौं तो वही गिरी को जो धरयो कर छत्र पुरन्दर धारन।

जो खग हौं तो बसेरो करौं मिलि कालिन्दी कूल कदम्ब की डारन।

Ruoldpapers.com

अथवा

अंब तजइ नहि कोइलाँ, सरवर सालूराह।

राज हिवइ मा पाँतरउ, आ धण द्यउ अवराँह ।।

ज्यूँ थे जाणउ व्यूँ करउ, राजा आइस दीध।

राँणी राजानूं कहइ, ओ म्हाँ नातरउ कीध।।

(ख) हंस गमणि मृगलोयणी नारि।

सीस समारइ दिन गिणइ।

ततषिणि ऊभी छइ राजदुवारि।

नाहनइ जोवइ चिंहु दिसइ

काइं सिरजी उलगाणांरी नारि।

जाइ दिहाइउ रे झूरतां।

अथवा

कबीर कहा गरवियाँ, इस जीवन की आस।

टेसू फूले दिवस चारि, खंखर भये पलास।।

कबीर कहा गरबियो देही देखि सुरंग।

बिछड़ियाँ मिलिबों नहीं, ज्यूं कांचली भुवंग।।

3. आदिकालीन कवि विद्यापति के काव्य-सौष्ठव पर विस्तृत निबंध लिखिए। [20]

Ruoldpapers.con

अथवा

सूफी साहित्य के आलोक में मलिक मोहम्मद जायसी का स्थान निर्धारित कीजिए।

4. गोस्वामी तुलसीदास की भक्ति-भावना स्पष्ट कीजिए। [20]

अथवा

'भ्रमरगीत सार' के आधार पर सूरदास की गोपियों का वाक्चातुर्य उदाहरण सहित समझाइए।

5. आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि पर एक सारगर्भित निबंध लिखिए। [20]

अथवा

भक्तिकालीन साहित्य की प्रवृतियाँ उदाहरण सहित बताइए।

*****

Ruoldpapers.con